

cadaver organ donations and transplantations to save precious lives through timely intervention.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. V. SIVADASAN (Kerala): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI SANDOSH KUMAR P (Kerala): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. JOHN BRITTAS (Kerala): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRIMATI JEBI MATHER HISHAM (Kerala): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI A.A. RAHIM (Kerala): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI NEERAJ DANGI (Rajasthan): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

Need for starting Deesa airport

श्री दिनेशचंद्र जेमलभाई अनावाडीया (गुजरात): महोदय, माननीय प्रधान मंत्री श्री मोदी जी ने उड़े देश का आम नागरिक, 'उड़ान योजना' शुरू की है, उसमें देश में आम आदमी को विमान सेवा का

लाभ मिला है। मेरे गृह जिला बनासकांठा के डीसा में एयरपोर्ट बंद हालत में पड़ा है। मेरा जिला राजस्थान के बॉर्डर और पाकिस्तान के इंटरनेशनल बॉर्डर से जुड़ा हुआ है। उत्तरी गुजरात के बनासकांठा, पाटन, अरावली, साबरकांठा, मेहसाणा में और दक्षिणी राजस्थान के सिरोही, जालौर, बाड़मेर और पाली जिलों में विमान की सेवा उपलब्ध नहीं है। मेरे बनासकांठा जिले में 52 शक्तिपीठों में से एक बड़ा शक्तिपीठ अंबाजी माताजी का मंदिर है, जहाँ बहुत सारे दर्शनार्थी माताजी के दर्शन के लिए आते हैं। उन्हें विमान की सेवा उपलब्ध करवाने हेतु और यहाँ के जो व्यापारी हीरा उद्योग, कपड़ा उद्योग और मेटल उद्योग से भारत भर में फैले हुए हैं, उनको विमान की सेवा उपलब्ध करवाने हेतु यह एयरपोर्ट चालू करना बहुत जरूरी है।

आजादी के बाद अंबिका एयरलाइन्स की विमान की सेवा यहाँ चालू थी, जो मुम्बई-डीसा-जोधपुर की हवाई सेवा देती थी। करीब 1985 से 1990 के बीच वायुदूत एयरलाइन्स ने भी यह एयरपोर्ट चालू करने की कोशिश की थी, लेकिन ओपनिंग करने के बाद वह कार्यरत नहीं हो पाया था। इस एयरपोर्ट से पाकिस्तान बॉर्डर नजदीक है, सुरक्षा की दृष्टि से भी यह एयरपोर्ट चालू करना जरूरी है। इस एयरपोर्ट का रनवे तैयार है, बाउंड्री वॉल भी है और पुरानी बिल्डिंग भी है। मैं सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूँ कि डीसा का एयरपोर्ट चालू करके उत्तरी गुजरात और दक्षिणी राजस्थान के आम आदमी को विमान की सेवा उपलब्ध करवाएँ।

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

Need to allow writing both in Bengali and Meitei scripts in UPSC for optional paper of Manipuri literature

SHRI MAHARAJA SANAJAOBA LEISHEMBA (Manipur): Sir, in UPSC/IAS Exams, there are two optional papers I and II in Manipuri Literature with a total mark of 500 (250+250). At present, only the Bengali script is allowed to write the papers of Manipuri Literature. As a matter of State policy, the Government of Manipur has introduced Meitei script for writing Manipuri language since 2006 in place of Bengali script in phase-wise manner. Colleges and Universities in Manipur have started producing B.A. and M.A. written in Meitei script for Manipuri language. Now, the problem is that those students who passed B.A./M.A. written in Meitei script in Manipuri subjects are not getting the chance of appearing UPSC/IAS Main Exams for Manipuri optional papers as they did not learn